आखिरी जांच: 23 अक्टूबर 2026 · Sanskrit Education Department (Uttarakhand Sanskrit Academy, Haridwar), Government of Uttarakhand

# Shodh Granth Chayan Yojana (Publication of Sanskrit Research Works with Honorarium, Uttarakhand Sanskrit Academy)

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी संस्कृत साहित्य के चुने हुए शोध ग्रंथ छापती है और लेखक को हर पृष्ठ का मानदेय और छपी पुस्तक की 25 प्रतियां निःशुल्क देती है।

### क्या मिल सकता है

चुने हुए शोध ग्रंथ के लेखक को ग्रंथ के हर पृष्ठ पर मानदेय और छपी पुस्तक की 25 प्रतियां निःशुल्क मिलती हैं। प्रति पृष्ठ दर पुराने नियमों में दी गई है।

### किसके लिए है

भारत के किसी भी राज्य के वे विद्वान जो संस्कृत साहित्य पर प्रामाणिक और समाज के लिए उपयोगी शोध ग्रंथ उत्तराखंड के परिप्रेक्ष्य में लिखते हों।

### मुख्य शर्तें

- ग्रंथ संस्कृत साहित्य से जुड़ा, शोध पद्धति से लिखा शोध ग्रंथ हो
- ग्रंथ प्रामाणिक, समाज के लिए उपयोगी और उत्तराखंड के परिप्रेक्ष्य में लिखा हो
- लेखक भारत के किसी भी राज्य का विद्वान हो

### दस्तावेज़

- शोध ग्रंथ की 3 प्रतियां
- ग्रंथ मौलिक होने का शपथ पत्र

### आवेदन कैसे करें

1. शोध ग्रंथ चयन नियमों के तहत अकादमी समाचार पत्रों और अपनी वेबसाइट पर जो विज्ञापन देती है उस पर नजर रखें।
2. आवेदन के साथ शोध ग्रंथ की 3 प्रतियां और ग्रंथ मौलिक होने का शपथ पत्र भेजें।
3. मूल्यांकन समिति ग्रंथों की जांच करती है और पात्र ग्रंथ प्रकाशित किया जाता है।

### स्थिति

चालू

**आधिकारिक स्रोत:** https://cdnbbsr.s3waas.gov.in/s36547884cea64550284728eb26b0947ef/uploads/2025/04/20250407740462800.pdf#page=76
**आधिकारिक PDF:** https://cdnbbsr.s3waas.gov.in/s36547884cea64550284728eb26b0947ef/uploads/2025/04/20250407740462800.pdf#page=76
**Labh Lo पेज:** https://labhlo.in/hi/schemes/uttarakhand/uk-sanskrit-shodh-granth-chayan-yojana/

**Labh Lo सारांश। यह सरकारी दस्तावेज़ नहीं है।**
Labh Lo एक स्वतंत्र जानकारी देने वाला मंच है। यह PDF एक सारांश है। यह सरकारी दस्तावेज़ नहीं है। पात्रता और मंज़ूरी का अंतिम फैसला सरकारी विभाग करता है। आवेदन से पहले आधिकारिक स्रोत जांचें।